

//-- सुविवार --//

किरी भी व्यक्ति की सहनशीलता एक खिचे हुए धागे की तरह होती है, एक सीमा से अधिक खिंचे जाने पर उसका टूटना तय है।

आज

बेबाक

सुप्रीम कोर्ट ने एक और स्वागत योग्य निर्णय लेकर दो टूक शब्दों में कह दिया है कि ईडी को पूछताछ करने, आरोपी को गिरफ्तार करने और संपत्ति को कुंक करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उन नेताओं को सांप सूंघ गया है जो ईडी की कार्यवाही को लेकर हाय तौबा मचाते रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहे तों ईडी की ताकत पर सर्वोच्च न्यायालय की मुहर लग गई है। इससे सेवा के नाम पर मेवा खोने वाले भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों का बौखलाना स्वाभाविक है। ईडी को अब दोगुने जोश के साथ अपने काम को अंजाम देना चाहिए।

सूर्योदय

उदय : 5:44 प्रातः

अस्त : 7:10 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,963,644,732

भारत: 1,408,644,892

बाजार

संसेक्स : 56857.79

निफ्टी: 16929.60

गोल्ड : 51,380 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 56,500 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 3.86 प्रति नग

आज का दिवस

विश्व बाघ दिवस

29 जुलाई 2022 शुक्रवार को हम 12वां विश्व या अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाते जा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर बाघों के संरक्षण व उनकी लुप्तप्राय रहे हैं प्रजाति को बचाने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य है।

2010 में हुई शुरुआत: साल 2010 में रूस के पीटर्सबर्ग में आयोजित इंटरनेशनल कोअ्स में प्रत्येक वर्ष की 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस (Internatiàena Tiget±×± Da4) मनाने का निर्णय लिया गया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बाघों की आबादी वाले 13 देशों ने हस्ताक्षर किए। सभी से 2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य दिया है। यहाँ ध्यान देने वाली बात है कि भारत इकलौता देश है, जिसने लक्ष्य से 4 साल पहले 2018 में ही प्राप्त कर लिया। 2018 में इंडिया में 2967 से ज्यादा बघ चुकी है। अग्री 2022 की एनटीडीए की गणना के आंकड़े आना बाकी है। देश में बाघों की आठ प्रजातियाँ हुआ करती थीं पर अब सिर्फ5 प्रजातियाँ बच गई जाती हैं। ये पाँचों हैं साइबेरियन, बंगाल टाइगर, इंडोचाइनीज, मलयन व सुमत्रान।

एमसीडी चुनाव स्थगित करने को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ‘आप’ की याचिका पर 5 अगस्त को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा दायर उस याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में वार्ड के परिसीमन के आधार पर दिल्ली नगर निगमों (एमसीडी) के चुनावों को स्थगित करने को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने केंद्र द्वारा जवाब दाखिल करने के लिए समय मागे जाने के बाद इस मामले की सुनवाई को पांच

अगस्त तक स्थगित कर दिया। जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से पेश होने वाले वकील लिखित नोट या दलीलें भी दाखिल कर सकते हैं।

केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। भाटी ने जस्टिस खानविलकर, जस्टिस ए.एस. ओका और जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की बेंच से कहा कि मैं जवाब दाखिल करने का अनुरोध कर रही हूँ। बेंच ने कहा कि इस मामले को पांच अगस्त को सूचीबद्ध करें।

फेडरेशन की तरफ से चेस ओलंपियाड में शामिल होने का न्योता दिया गया था। पाकिस्तानी खिलाड़ियों को इसकी तैयारी भी कराई जा रही थी। बता दें कि पहली बार भारत इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन करा रहा है और प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करने कर लिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रेडियो पाकिस्तान पर कहा कि भारत खेल प्रतियोगिता का राजनीतीकरण कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को इंटरनेशनल चेस

फेडरेशन की तरफ से चेस ओलंपियाड में शामिल होने का न्योता दिया गया था। पाकिस्तानी खिलाड़ियों को इसकी तैयारी भी कराई जा रही थी। बता दें कि पहली बार भारत इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन करा रहा है और प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करने कर लिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रेडियो पाकिस्तान पर कहा कि भारत खेल प्रतियोगिता का राजनीतीकरण कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को इंटरनेशनल चेस

जजों को टारगेट करने की एक लिमिट है मीडिया रिपोर्ट पर भड़के जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने मीडिया पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि जजों को टारगेट करने की भी एक सीमा होती है। जजों की ओर से मामलों की सुनवाई न किए जाने से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट को लेकर उन्होंने यह टिप्पणी की। दरअसल वकील की ओर से मेशन एक केस में मांग की जा रही थी कि ईसाइयों के खिलाफ हिंसा और हमलों के खिलाफ दायर मामले की लिस्टिंग

कर ली जाए। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि मैंने तो इस संबंध में एक खबर पढ़ी थी कि इस मामले को सुनवाई के लिए नहीं लिया गया है। इसके आगे जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, ‘जजों को एक ब्रेक दो। मैं कोरोना से पीड़ित था और इसलिए मामला स्थगित हो गया था। मैंने खबर पढ़ी कि जज इस मामले को ले नहीं रहे हैं। हमें टारगेट करने की भी एक लिमिट है।’ इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में 15 जुलाई को सुनवाई होने वाली थी, लेकिन

बेंच उपलब्ध न होने के चलते ऐसा नहीं हो सका। यह अजी बंगलुरु के बिशप डॉ. पीटर मैकाडो की ओर से दायर की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि देश भर में ईसाई पादरियों और उनके संस्थानों पर हमले और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं। उनकी ओर से दायर अर्जी में अदालत से मांग की गई थी कि वह ईसाइयों के खिलाफ चल रही हिंसा को रोकने के लिए प्रशासन और राज्य सरकारों को कुछ आदेश दें।

गरसा-गरम

समाधान...

सितंबर में पीएम मोदी और जिनपिंग की होगी मुलाकात

ताशकंद में भारत-चीन के बीच एलएसी गतिरोध का निकल सकता है समाधान



नई दिल्ली (ए.)। भारत-चीन के विदेश मंत्रियों के बीच एएससीओ की मुख्य बैठक से हटकर होने वाली संभावित वार्ता में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर करीब दो साल से जारी गतिरोध का हल निकल सकता है। विदेश मंत्रालय ने हालांकि, इस बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

सूत्रों का कहना है कि पिछली बैठकों की भांति इस बार भी दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात होगी। एलएसी गतिरोध का समाधान निकल सकता है, जिसके बाद सितंबर में एएससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की



भी मुलाकात हो सकती है। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में शंघाई कॉरपोरेशन संगठन (एससीओ) के

विदेश मंत्रियों की बैठक का मुख्य एजेंडा ही एएससीओ शिखर सम्मेलन की रणनीति तैयार करना

है, जो समरकंद में 15-16 सितंबर को होगा। उसके बाद 2021 में दुबारे में हुई एएससीओ बैठक में भी दोनों विदेश मंत्री मिले और एलएसी के मुद्दे पर राजनयिक संवाद और बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी। हालांकि, हॉटस्पॉट समेत कई बिंदुओं पर अभी टकराव जारी है लेकिन बातचीत का सिलसिला भी जारी है। हाल में दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच 16वें दौर की वार्ता भी हुई है।

जयशंकर और वांग के बीच इस वर्ष भी हुई दो बैठकें

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के

अनुसार, वर्ष 2022 में जयशंकर और वांग के बीच दो बैठकें पहले हो चुकी हैं। इनमें भी जयशंकर और वांग के बीच एलएसी के मुद्दे पर लंबी बातचीत हुई। सूत्रों ने कहा कि 16वें दौर की बैठक के दौरान हालांकि तत्काल कोई ठोस हल नहीं निकला है लेकिन कई बिंदुओं पर सकारात्मक वार्ता हुई है। इसी बातचीत पर आगे यदि विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत होती है, तो फिर आने वाले दिनों में दोनों सेनाओं के लिए टकराव वाले बिंदुओं से पीछे हटने का रास्ता साफ हो जाएगा।

पिछली दो बैठकों के सकारात्मक नतीजे रहे

पिछले दो सालों के दौरान एएससीओ बैठकों के दौरान जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच लगातार बैठकें हुई हैं। उनके नतीजे भी सकारात्मक रहे हैं। 2020 में गलतवा घाटी संघर्ष के बाद 10 सितंबर को मारको में एएससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर और वांग में लंबी वार्ता हुई। एलएसी मुद्दे का हल निकालने के लिए पांच सूत्री रणनीति पर सहमति बनी। इसके बाद ही फरवरी 2021 में पैंगोंग लेक इलाके से दोनों देशों से सेनाएं पीछी हटीं।



अंदर के पृष्ठों पर 2 | देश-विदेश 4 | अभिव्यक्ति 6 | आंचलिक 7 | आंचलिक

RNI NO.MPHIN/2017/72749 भोपाल, शुक्रवार 29 जुलाई 2022, शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत-2079 वर्ष-06 अंक-95 पृष्ठ-08 मूल्य 4 रुपए भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ समय पर मिले: सीएम चौहान

शैक्षणिक-सत्र 2022-23 की छात्रवृत्ति का भुगतान अक्टूबर माह तक किया जाए

अजा, अजजा एवं ओबीसी वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति प्रक्रिया के सरलीकरण एवं पोर्टल की एकरूपता संबंधी हुई बैठक

परेशानी न हो। सभी पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ समय-सीमा में दिया जाए। इसके लिए पर्याप्त बजट की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति प्रक्रिया के सरलीकरण एवं पोर्टल की एकरूपता संबंधी बैठक ले रहे थे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव,



मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सत्र 2022-23 की छात्रवृत्ति अक्टूबर माह तक दी जाये। साथ ही पिछले तीन सत्रों की शेष छात्रवृत्ति का भुगतान शीघ्रता से करें। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 590 करोड़, अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को 348 करोड़ एवं

पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को 750 करोड़ रूपए की पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाना है। इसमें भारत सरकार एवं राज्य शासन की योजनाओं की राशि शामिल है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रवृत्ति प्रक्रिया में फर्जीबाड़ी न हो एवं पारदर्शिता बनाये रखने के लिए पोर्टल की एकरूपता जरूरी है। सभी वर्गों की छात्रवृत्ति के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर आयु सीमा 30 वर्ष की जाना है। पीएचडी स्तर की

छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु अधिकतम आयु 35 वर्ष, दो पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अधिकतम 02 वर्ष तक के अंतर को मान्य किया जाएगा। एक माता-पिता के सभी पात्र बच्चे पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति की पात्रता के लिए प्रवेश प्रक्रिया का निधारण कर लिया जाये। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में एकीकृत शेष पृष्ठ 7 पर

संसद के बाहर बवाल : मुझसे बात मत करो, स्मृति ईरानी पर भड़की सोनिया

दोनों में हुई तीखी बहस

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा 'राष्ट्रपती' कहे जाने पर बवाल थम नहीं रहा है। पहले इस मुद्दे पर भाजपा की ओर से राज्यसभा और लोकसभा में जमकर हंगामा किया गया। इसके बाद अब सदन से बाहर सोनिया गांधी और स्मृति ईरानी की तीखी बहस हुई है। दरअसल सदन की कार्यवाही स्थगित किए जाने के बाद सोनिया गांधी जब बाहर निकल रही थीं तो उन्हें देखकर भाजपा के सांसद नारेबाजी करने लगे। इस बीच सोनिया गांधी भाजपा की सांसद रमा देवी के



पास आई और उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली है। इसी बीच स्मृति ईरानी ने बीच में दखल देने की कोशिश की, जिस पर सोनिया गांधी भड़क गईं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। सोनिया गांधी

ने Don't talk to me कहा, जिसके जवाब में स्मृति ईरानी ने भी कुछ कहा और दोनों के बीच करीब दो मिनट तक तीखी बहस चली। साफ है कि संसद में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच कड़वाहट बढ़ गई है और नेताओं के आपसी रिश्तों में भी शेष पृष्ठ 7 पर

अधीर अपनी गलती के लिए मांग चुके हैं माफी : सोनिया

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति को लेकर जो कुछ कहा उसके लिए वह माफी मांग चुके हैं। श्री चौधरी ने भी कहा कि उनसे पूछा हुआ है और इसके लिए पहले ही माफी मांग ली है। सोनिया गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भारी हंगामे के कारण इस मुद्दे पर लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि श्री चौधरी पहले ही माफी मांग चुके हैं। इससे पहले लोकसभा में भाजपा की स्मृति ईरानी ने श्री चौधरी के बयान को लेकर कांग्रेस पर शेष पृष्ठ 7 पर

लोकसभा में शून्यकाल नहीं चला

नयी दिल्ली । लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर दिए बयान पर गुरुवार को लोकसभा में भारी हंगामा हुआ जिसके कारण प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल भी बाधित रहा। लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे जैसे ही शुरू हुई, सत्ता पक्ष की ओर से कांग्रेस पर हमला शुरू हो गया। जवाब में कांग्रेस की तरफ से भी जबरदस्त शोर-शराबा हुआ जिसके कारण सदन में कुछ सुनाई नहीं दिया। सत्ता पक्ष की तरफ से सिर्फ इतना



सुनाई दिया, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को सदन में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान पर माफी मांगने चाहिए। दोनों पक्षों की तरफ से भारी हंगामा होते देख पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने सदन शुरू होने के पांच मिनट के भीतर ही कार्यवाही स्थगित कर दी।

पार्थ पर ममता का एक्शन, मंत्री पद के बाद पार्टी के सभी पदों से हटाया

कोलकाता (ए.)। ममता सरकार में कभी कद्दावर नेता रहे पार्थ चटर्जी पर ममता बनर्जी ने एक और बड़ा ऐक्शन लिया है। ममता बनर्जी ने पार्थ को पार्टी के सभी पदों से बाहर निकाल दिया है। कुछ देर पहले ममता ने पार्थ को मंत्री पद से बाहर का रास्ता दिखाया था। पार्थ चटर्जी शिक्षक भर्ती घोटाला में आरोपी हैं। हाल ही में ईडी के अधिकारियों को पार्थ के करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के दो घरों से 55 करोड़ से ज्यादा कैश और सोने के जेवरों बरामद हुए थे। पार्थ चटर्जी के सितारे गर्दिश में हैं।



ईडी की छापेमारी में उनके राज लगातार दुनिया के सामने आ रहे हैं। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने कड़ा रुख अपनाते हुए पार्थ को मंत्री पद से हटा दिया था। पहले मंत्री पद और फिर पार्टी के सभी पदों से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने

जानकारी दी कि पार्थ चटर्जी को पार्टी से निकाल दिया गया है। उन्हें महासचिव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और बाकी तीन पदों से बाहर कर दिए गए हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि जांच पूरी हो जाने तक उन्हें सस्पेंड किया गया है। अगर वो सही साबित होते हैं तो वापसी होगी और अगर दोषी पाए जाते हैं तो पार्टी में उनकी वापसी नहीं होगी। गौरतलब है कि इससे पहले पार्थ चटर्जी को मंत्री पद से हटा दिया गया था। ममता बनर्जी ने इस कार्रवाई के बाद बयान दिया था कि कहा कि उनकी पार्टी सख्त कार्रवाई करती है।

पार्थ चटर्जी के घर में चोरी, ईडी का छापा समझ देखते रह गए लोग

शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपी और पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मिनिस्टर पार्थ चटर्जी के दक्षिण 24 परगना स्थित घर में चोरी की शिकायत दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि घटना 27 जुलाई की रात की है। जानकारी के मुताबिक चोर मंत्री के घर में ताला तोड़कर घुस गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चोर उनके घर से काफी सामान ले गए हैं। वे कई बैग में भरेकर सामान ले गए हैं। वहां के लोगों ने कहा कि पहले उन्हें लगा कि पार्थ चटर्जी के घर पर एक और छापा डाला जा रहा है। बाद में पता चला कि यह टैड नहीं थी बल्कि चोरी थी। बता दें कि बुधवार को भी ईडी ने छापे में लगभग 29 करोड़ रुपये कैश और 5 किलो सोना बरामद किया है।

दंतेवाड़ा में मिला दुर्लभ प्रजाति का हिरण, वन विभाग ने सुरक्षित जंगल में छोड़ा

बैलाडिला की पहाड़ियों में हैं कई विलुप्त व दुर्लभ जीवों का आशियाना

बचेली /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडीला की पहाड़ी में विश्व के सबसे छोटे प्रजाति का हिरण मिला है। इस बात की पुष्टि तब हुई जब इसी प्रजाति का एक हिरण घायल अवस्था में शहरी क्षेत्र में पहुंच गया। वन विभाग ने हिरण का इलाज करवाया और वापस बैलाडीला के घने जंगल-पहाड़ी में छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि इस प्रजाति के हिरण का वजन सिर्फ तीन किलो ही होता है। यह बेहद दुर्लभ प्रजाति का वन्य जीव है। जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा के



बचेली सुभाष नगर में रात के समय जंगल से भटकते हुए यह दुर्लभ प्रजाति



वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष मांडवा डिप्टी रेंजर अघन श्याम भगत, बोट

प्रभारी राजेश कर्मा सहित वन कर्मों के साथ उस जीव को आवासीय इलाके से

निकाल कर वन विभाग के कार्यालय ले गए। वन परिक्षेत्र अधिकारी आशुतोष मांडवा ने बताया की घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई। तथा उनके परामर्श अनुसार तत्पश्चात रायपुर जंगल सफाी के पशु चिकित्सक से परामर्श लेकर बचेली के पशु चिकित्सक से इस जीव की जांच करावाई। जीव थोड़ा घबराया हुआ और चोटिल था। इसलिए पशुचिकित्सक से उसका उपचार करवा कर ठीक होने पर उसे घने जंगलों में छोड़ दिया।

यह हिरण की सबसे छोटी प्रजाति

जानकारों की माने तो यह अत्यंत दुर्लभ प्रजाति का हिरण, इंडियन माउस डियर (इंडियन स्पोर्टेड शेवरोटेन) जिसका वैज्ञानिक नाम मौसियोला इंडिका है। ये विश्व की सबसे छोटी हिरण की प्रजाति मानी जाती है, इसकी लंबाई 57.5 सेमी. होती है और वजन 3 किलोग्राम के आस पास होता है। ये रात में निकलने वाला जीव है और बहुत मुश्किल से ही देखने को मिलता है। यदां तक की कैमरा ट्रैप में भी इसकी कम ही तस्वीर है। ये छुपने में बहुत माहिर होता है। और जंगल में इसे देख पाना भी आसान नहीं होता यही कारण है। की इसके बैलाडीला में होने की जानकारी अब तक नहीं थी।

न्यूज गैलरी

साहू समाज ने पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नगरी /नवप्रदेश। बेलरगांव ग्रामीण साहू समाज हरेली महोत्सव व वृहद वृक्षरोपण आयोजन किया गया। और वृक्ष लगाओं पर्यावरण बचाओ का नारा को साकार करते हुए साहू समाज के लोगों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। तहसील साहू समाज नगरी महासचिव सुभाष चन्द्र साहू ने पर्यावरण को संरक्षित और समवर्धीत करने सही वृक्षारोपण आयोजन को



एक सराहनीय पहल बताया और वृक्ष लगाने का संकल्प भी लिया। ग्रामीण साहू समाज बेलरगांव ने साहू सदन प्रांगण में फूलों का पौधा और फलों का पेड़ लगाया गया। इसी प्रकार उप स्वास्थ्य केंद्र बेलरगांव बार्डंडी के अंदर नीम और आंवला का पेड़ लगाया गया। उसके पश्चात शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेलरगाँव के मैदान में आंवला और नीम का पेड़ लगाया गया उसके बाद चालीपारा तलाब किनारे कदम का पेड़ और नीम का पेड़ लगाकर हरेली त्यौहार मनाया गया।

अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के मांगों पर भाजपा ने दिया समर्थन

बीजापुर /नवप्रदेश। छा कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के मांगों के समर्थन में पहुंचीं भाजपा। मांगों को जायज ठहराते हुए बीजापुर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने कहा देश के हर राज्य में कर्मचारियों को 34 प्रतिशत डीए व सातवां वेतनमान के आधार पर गृह भाड़ा महंगाई भत्ता मिल रहा है। पर



छत्तीसगढ़ की धोखेबाज कांग्रेस सरकार ने छा के कर्मचारी अधिकारी को धोखा दिया है। छा के कर्मचारियों के साथ अन्याय किया है उनको 34 प्रतिशत डीए मिलना चाहिए आप सिर्फ 22 प्रतिशत दे रहे हैं, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार में कर्मचारियों को सातवां वेतनमान का गृह भाड़ा भत्ता भी नहीं दिया जा रहा है आगे मुदलियार ने कहा सरकार को भूलना नहीं चाहिए यही कर्मचारियों ने आपको गद्दी पर बिठया है और वे गद्दी छीनना भी जानते हैं। बीजापुर में कर्मचारियों के धरना का समर्थन करने भाजपा के जिला उपाध्यक्ष लव कुमार रायड़, घासी राम नाग, भाजपा जिला महामंत्री सत्येंद्र ठाकुर, भाजपा जिला महामंत्री गोपाल पवार, तिरुपति कटला, भाजपुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य फूलचंद गांगड़ा, सूचना अधिकार प्रकोष्ठ जिला प्रभारी सतीश यादव, माया झाड़ी, पूजा पोंदी, उर्मिला तोकल ,बसंती लिंगम सहित मोर्चा/ प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गढ़ ने उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद एवं इंटक परिवार ने मनाया हरेली तिहार

किरंदुल /नवप्रदेश। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किरंदुल के तत्वावधान में किरंदुल के कांग्रेस परिवार और नगर परिवार की गरिमामय उपस्थिति में इंटक यूनिशन श्रमिक सदन महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के सामने हर वर्षों की भाति छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रथम पर्व हरेली की विशेष पूजा अर्चना कर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है. इस दौरान किरंदुल नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष मृणाल रॉय, पालिका सभापति राजेंद्र मृणाल रॉय कौर, समस्त पार्षदगण , ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एके सिंह, राकेश लाल, इंटक पदाधिकारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, नगर महिला कांग्रेस के अध्यक्ष, पदाधिकारी, सांसद प्रतिनिधि राजू रेड्डी, एएमएमडब्ल्यू यू इंटक यूनिशन के कार्यकारी अध्यक्ष, पदाधिकारी, एवं नगर परिवार मौजूद थे ।

विस अध्यक्ष डॉ महंत तय करेंगे पदाधिकारियों का चयन प्रस्ताव पारित

सक्ती /नवप्रदेश। ब्लाक कांग्रेस सक्ती में शहर एवं ग्रामीण कांग्रेसजनों की संयुक्त बैठक बीआरओ कृष्ण मुरारी तिवारी के अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया एवं स्थानीय विधायक व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरण दास महन्त को सभी पदों पर निर्णय लेगे अधिकृत कर प्रस्ताव पारित किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष त्रिलोक चंद जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा जयपुर चितन शिविर में एजेन्डा पारित हुआ है कि जो 10 वर्षों से एक ही पद पर है उसे नई जिम्मेदारी दी जाएगी। जिले में मेरा कार्यकाल सर्वाधिक 10 वर्ष का हो गया अतः नए अध्यक्ष जो भी बनेगा उसे सहयोग करेंगे और पार्टी जो जिम्मेदारी देगी उसका भी निर्वहन करेंगे गया।

अवैध शराब पर अंतागढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कांकेर /नवप्रदेश। अंतागढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति द्वारा एक थैले में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखकर ग्राम गोंडबिनापाल पास बेच रहा है। जिस पर टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंच घेराबंदी कर एक व्यक्ति को अंग्रेजी शराब के साथ रोी हाथों पकड़ा। पूछताछ करने पर अपना नाम सुरेश कुमार पोयाम पिता मुरारा राम पोयाम 21 साल निवासी मुरवाडा थाना ओरछा जिला नारायणपुर हाल दसमेरा फॅमिली डाबा हवेचूर थाना तांडेकी जिला कांकेर का रहने वाला बताया। उसके कब्जे से 20 नग आईकॉन प्रीमियम व्हिस्की क्राटर एवं एक नग मैकडबल नंबर 1 बोलल एवं नगदी 200/- रुपये कुल जुमला कीमती 3310 रुपए जब्त किया गया।

इन परियोजनाओं से स्थानीय किसानों और दूध उत्पादकों को सशक्त बनाया जाएगा-सरकार

मोदी ने गुजरात में किया एक हजार करोड़ रुपये के डेयरी परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली / अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात में साबरकांठ के गढ़ोदा चौकी स्थित साबर डेयरी में 1,000 रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी।

सरकार का कहना है इन परियोजनाओं से स्थानीय किसानों और दूध उत्पादकों को सशक्त बनाया जाएगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। इन परियोजनाओं में 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित लगभग 120 टन दैनिक क्षमता के विश्व स्तरीय एवं शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले दुग्ध पाउडर संयंत्र और एसेप्टिक मिल्क पैकेजिंग प्लांट का उद्घाटन शामिल है, जिसकी क्षमता दैनिक तीन लाख लीटर है। मोदी ने इस अवसर पर आयोजित सभा में सुकन्या समृद्धि योजना के लाभार्थियों और शीर्ष महिला दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, +आज साबर डेयरी का



विस्तार हुआ है। सैकड़ों करोड़ रुपए के नये प्रोजेक्ट यहां लग रहे हैं। आधुनिक टेक्नॉलॉजी से लैस मिल्क पाउडर प्लांट और ए-सेप्टिक पैकिंग सेक्शन में एक और लाइन जुड़ने से साबर डेयरी की क्षमता और अधिक बढ़ जाएगी। श्री मोदी ने साबर डेयरी के संस्थापक व्यक्तित्वों में से एक भूराभाई पटेल को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने दो दशक पहले इस क्षेत्र में अभाव और सूखे की स्थिति को याद किया और बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में लोगों के सहयोग के लिए जोड़ा और क्षेत्र में स्थिति को सुधारने का कैसे-कैसे प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि पशुपालन और डेयरी उस प्रयास का प्रमुख तत्व है। उन्होंने चारा, दवा उपलब्ध कराकर पशुपालन को बढ़ावा देने और मवेशियों के लिए आयुर्वेदिक उपचार को बढ़ावा देने के बारे में भी बात की।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले दो दशकों में उछाए गए कदमों के कारण गुजरात में डेयरी बाजार एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र के विकास में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये प्रयोग अन्य क्षेत्रों में भी किए जा रहे हैं। आज देश में 10,000

किसान उत्पादक संघों (एफ़्सीओ) के गठन का कार्य जोरों पर चल रहा है। इन एफ़्सीओ के जरिए छोटे किसान खाद्य प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन से जुड़े निर्यात और आपूर्ति श्रृंखला न से सीधे जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात के किसानों को भी इससे काफ़ी फ़ायदा होने वाला है।

श्री मोदी ने कहा कि किसानों के लिए आय के वैकल्पिक साधन तैयार करने की रणनीति रंग ला रही है। बागवानी, मत्स्य पालन, शहद उत्पादन से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार एक लाख करोड़ से अधिक हो गया है। इस क्षेत्र में गांवों में 1.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार सृजित हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाने जैसे उपाय किसानों के लिए नए रास्ते पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, +2014 तक, देश में पेट्रोल में 40 करोड़ लीटर से कम इथेनॉल मिश्रित किया जा रहा था। आज वह 400 करोड़ लीटर के करीब पहुंच रहा है।

जापान में मंकीपॉक्स के दूसरे मामले की पुष्टि

टोक्यो ।जापान में मंकीपॉक्स के दूसरे मामले की पुष्टि हुई है। जापानी मीडिया रिपोर्ट में गुरुवार को यह जानकारी सामने आयी है। समाचार एजेंसी क्योडा के मुताबिक मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति की उम्र 30 से 40 वर्ष के बीच है। वह हाल ही में विदेश से टोक्यो लौटा है। मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती किया गया है और उसके जीवन को कोई अभी कोई खतरा नहीं है। उल्लेखनीय है कि जापान में कुछ दिन पहले मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया था। इस वायरस से संक्रमित होने से पहले व्यक्ति कुछ दिन पहले विदेश से स्वदेश लौटा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 23 जुलाई को मंकीपॉक्स के प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया। अभी तक विश्व के 78 देशों

मंत्री पार्थ चटर्जी की अवैध संपत्ति में कौन है ‘ऊपर का हिस्सेदार’: भाजपा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी और सुश्री अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में बरामद संपत्ति में ‘ऊपर के हिस्सेदार’ का नाम उजागर करने की मांग की।



केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा की वरिष्ठ प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, +आज आप सबके माध्यम से मैं देश की जनता को याद दिलाता चाहती हूं कि लोग मां, माटी, মানুষ का नारा देते थे। आज वो केवल एक ही आवाज निकाल रहे हैं पैसा, पैसा पैसा। इस शब्द के

अलावा उनके पास कहने को कुछ नहीं है। श्रीमती लेखी ने कहा कि यदि पार्थ चटर्जी के दस्तावेज देखें जायें, चाहे अर्पिता की आवाजें सुनी जायें, चाहे इनके मंत्रियों के यहां जो छपे पड़े उनकी कहानी देखें, तो एक ही बात समझ में आती है कि करीब 50 करोड़ रुपये अर्पिता के यहां से बरामद हुए और 9 किलो के आसपास सोना मिला है, अनगिनत संपत्ति

के दस्तावेज मिलें हैं। उन्होंने कहा कि श्री पार्थ चटर्जी की एक और जानकारी सुश्री मोनालिसा दास जो 2014 में एक विश्वविद्यालय में भर्ती हुईं, आज वो वहां प्रोफेसर हैं और बाला

विभाग की अध्यक्ष हैं। उनके नाम पर 10 प्लेट के कागज हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, +हैरानी की बात ये है कि जहां पैसे का अंबार निकल रहा है, वहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी एकदम चुप बैठी हैं। नारदा, शारदा चिट्चंद, कोयला एवं आन जो शिक्षक भर्ती में घोटाले सामने आए हैं, ईडी को इसकी अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए।

फ़िलीपींस भूकंप: चार लोगों की मौत,131 घायल

मनीला ।फ़िलीपींस में भूकंप से अब तक चार लोगों की मौत हो गयी और 131 लोग घायल हो गए हैं। फिलीपींस में स्थानीय समयानुसार कल सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.3 मापी गई थी। भूकंप का केन्द्र उत्तरी फिलीपीन प्रांतों के आब्रा, लुजोन और मेट्रोपॉलिटन मनीला में था। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन परिषद ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार भूकंप के तेज झटकों से ज्यादातर 26 से 60 उम्र के लोग घायल हुए हैं। करीब 1200 लोगों को सुरक्षित घरों से बाहर निकाला गया और 567 लोग खुद घरों से सुरक्षित बाहर निकल कर आए। प्रशासन ने 21 निकासी केन्द्र स्थापित किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को आए भूकंप से छह प्रांतों और 27 शहरों के 12,945 लोग प्रभावित हुए हैं। भूकंप के तेज झटकों से कुल

अब स्थितियाँ बदल रही हैं। लड़कियाँ शिक्षा के क्षेत्र में आगे आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में विद्या की देवी सरस्वती और धन की देवी लक्ष्मी तथा शक्ति की देवी महाकाली रही हैं। इतना ही नहीं महिषासुर का वध भी एक स्त्री दुर्गा ने किया था लेकिन भारतीय समाज में स्त्रियों को वह आदर और सम्मान तथा बराबरी का दर्जा नहीं मिला जिसकी वह हकदार है।

महाकवि कालिदास पर प्रकाशनाधीन पुस्तक की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वह पहली बार किसी पुस्तक के कवर का लोकार्पण कर रहे हैं। यह किताब जब आपणी तो दुनिया में चर्चा होगी क्योंकि इसमें वर्षों के गहन शोध से निष्कर्ष निकाला गया है कि कालिदास ने जिन ग्रंथों की रचना की थी।

वह दरअसल उनकी पत्नी विद्योत्तमा ने लिखी थी। हालांकि

कोई जल्दी विश्वास नहीं करेगा लेकिन इस पुस्तक से इस बारे में चर्चा जरूर शुरू हो जायेगी ।डॉक्टर कमल किशोर मिश्र ने बड़े शोध और मेहनत से यह पुस्तक लिखी है। उन्होंने कहा, जब वह युवा थे तब से मैं उनको जानता हूं और मैंने उन्हें फीजी में सांस्कृतिक निदेशक बना बनाया था।

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध नृत्यांगना शोभना नारायण ने कहा कि वह इस पुस्तक का अनुवाद अंग्रेजी में कर रही हैं और उन्हें इसके अनुवाद में बहुत आनंद आ रहा है। इस पुस्तक में बताया गया है कि कालिदास ने जिन छह क्लासिक ग्रंथों की रचना की चाहे वह मेघदूत हो अभिज्ञान शाकुंतलम्, कुमारसंभव, ऋतुसंहार मालविकाग्निमित्रम् आदि सभी की रचयिता अप्रत्यक्ष रूपसे काशी की राजकुमारी विद्योत्तमा थी जो कालिदास की पत्नी थीं।

समारोह में पुरस्कृत लेखिका

नई दिल्ली ।वयोवृद्ध राजनेता एवम चिंतक डॉ कर्ण सिंह ने कहा है कि आजादी के बाद भारत में बहुत बड़ा बदलाव आया है और इस बदलाव का नतीजा है कि देश में पहली बार एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनी हैं।

डॉ सिंह ने बुधवार शाम इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हिंदी की सुप्रसिद्ध लेखिका अलका सरावगी को स्त्री शक्ति दयावती मोदी सम्मान प्रदान करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने महाकवि कालिदास की कृतियों का रचयिता कौन? (कालिदास या उनकी पत्नी काशी की राजकुमारी विदुषी विद्योत्तमा) नामक प्रकाशनाधीन पुस्तक के कवर का लोकार्पण भी किया ।

91 वर्षीय डॉ सिंह ने कहा कि भारत जब आजाद हुआ था तब उनकी उम्र 16 साल थी और तब से लेकर उन्होंने सभी प्रधानमंत्रियों को देखा और उनके



सम्पर्क में रहे चाहे पंडित जवाहरलाल नेहरू हों या नरेंद्र मोदी । साथ ही उन्होंने डॉ राजेंद्र प्रसाद से लेकर बाद के राष्ट्रपतियों को भी देखा उन्होंने कहा कि पच्चहत्तर वर्ष अपने मुल्क को देखने के बाद वह अपने अनुभव से कह रहे हैं कि आजादी के समय जो भारत था वह बदल चुका है। देश में बहुत परिवर्तन हुए । उस समय दलितों और आदिवासियों के बारे में कोई

सोचता तक नहीं था। उनकी कोई गिनती नहीं होती थी लेकिन आज इस बदलाव का नतीजा है कि देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला आसीन है। स्त्री शक्ति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं का बहुत सम्मान और आदर किया जाता रहा लेकिन भारतीय समाज में स्त्रियों को बराबरी के भाव से नहीं देखा गया और यह चिंता की बात है लेकिन



संपादकीय

ईडी को सुप्रीम पावर

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक और ऐतिहासिक फैसले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की वैधानिकता चुनौती देने वाली लगभग 200 याचिकाओं को खारिज कर दिया है और दो दूक शब्दों में यह फैसला दे दिया है कि ईडी को समन जारी करने, तलाशी लेने और अरोपी को गिरफ्तार करने तथा संपत्ति को कुर्क करने का अधिकार है। ईडी को सुप्रीम पावर मिल जाने से लोको लोगों के मंसूबों पर चड़ो पानी फिर गया है जो ईडी की कार्यवाही को लेकर हायतौबा मचाते रहे है और ईडी के पर कतरने की दुआ करते रहे है। ऐसे ही लोगों ने सुप्रीम कोर्ट ने दरवाजा खटखटाया था और उन्हे उम्मीद थी की सुप्रीम कोर्ट से उन्हे राहत मिलेगी और वे ईडी कार्यवाही की चपेट में आने से बच पाएंगे लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। इससे ईडी का हौसला और बढ़ना स्वाभाविक है। ईडी को सुप्रीम पावर मिलने के बाद अब भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों में हड़कंप मच गई है। गौरतलब है कि सत्ता में चढ़ते हुए अनेक नेताओं ने हजारों करोड़ रूपए के घपले घोटाले किए है जिनकी अब एक के बाद एक ईडी द्वारा जांच की जा रही है। ईडी ने जितने लोगों के खिलाफ भी कार्यवाही की है सभी के पास से नोटों के अंबार मिले है और बेनामी संपत्तियों का खुलासा हुआ है। इसपर आपत्ति जताते हुए इन भ्रष्ट नेताओं द्वारा ईडी पर निशाना जाता है और सरकार पर आरोप लगाया जाता है कि वह बदले की भावना से ईडी और सीबीआई जैसी केन्द्रीय एजेंसियों का दुस्प्रयोग कर रही है। यदि ऐसा है तो इन्हे कोर्ट की शरण में जाना चाहिए, यदि बदले की भावना से ईडी या सीबीआई किसी के खिलाफ कोई कार्यवाही करती है और वह निरअपराध निकल आता है तो कोर्ट ऐसी केन्द्रीय एजेंसियों की खुद की खबर ले लेगा। बहरहाल अब ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से कार्यवाही के लिए कर्तलीन चीट दे दी है जिससे यह उम्मीद की जानी चाहिए कि अब ईडी भ्रष्टाचारियों के खिलाफ और अधिक तेजी से कार्यवाही करेगा और भ्रष्टाचार से अर्जित की गई हजारों करोड़ों की संपत्ति को कुर्क करेगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसी सख्त कार्यवाही लंबे समय से अपेक्षित थी लेकिन जिस देश में भ्रष्टाचार को शिष्टाचार का दर्जा दे दिया गया हो वहां भ्रष्टाचारियों की नांक में नकेल डालने की कभी भी कारगर कोशिश नहीं की गई। यही वजह है कि ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार का परमला निबांध गति से बह रहा है। देर आयद दुरुस्त आयद की तरह सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत किया जाना चाहिए और ईडी से यह उम्मीद की जानी चाहिए कि अब वह अधिक तेजी से भ्रष्टासूरो के खिलाफ कानून का शिकंजा कसने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगा।

विचार

माले-मुफ्त, दिले-बेरहम

उर्ऊ में एक कहावत है कि माले-मुफ्त और दिले-बेरहम ! इसे हमारे सभी राजनीतिक दल चरितार्थ कर रहे हैं याने चुनाव जीतने और सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए वे वोटरों को मुफ्त की चूसनियाँ पकड़ते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे रेवड़ी संस्कृति कहा है, जो कि बहुत सही शब्द है। असली कहावत तो यह है कि ‘अंधा बाटे रेवड़ी, अपने-अपने को देय’ लेकिन हमारे नेता लोग अंधे नहीं हैं। उनकी तीन आंखें होती हैं। वे अपनी तीसरी आंख से सिर्फ अपने फायदे टटोलते हैं। इसलिए सरकारी रेवड़ियां बांटते वक अपने-पराए का भंद नहीं करते। उनकी जेब से कुछ जाना नहीं है। वोटरों को मुफ्त माल बांटकर वे अपने लिए थोक वोट पटाना चाहते हैं। वे क्या-क्या बांट रहे हैं, उसकी सूची बनाने लंगें तो यह पूरा पत्रा ही भर जाएगा। शराब की बोलतों और नोटों की गड़ब्यों की बात को छोड़ भी दें तो वे खुले-आम जो चीजें मुफ्त में बांटते हैं, उनका खर्च सरकारी खजाना उछाता है। इन चीजों में औरतों को एक हजार रु. महिना, सभी स्कूली छात्रों को मुफ्त वेश-भूषा और भोजन, कई श्रेणियों को मुफ्त रेल-यात्रा, कुछ वर्ग के लोगों को मुफ्त इलाज और कुछ को मुफ्त अनाज भी बांटा जाता है। इसका नतीजा यह है कि देश के लगभग सभी राज्य घाटे में उतर गए हैं। कई राज्य तो इतने बड़े कर्ज में दबे हुए हैं कि यदि रिजर्व बैंक उनकी मदद न करे तो उन्हें अपने आप को दिवालिया घोषित करना पड़ेगा। इन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस सहित लगभग सभी दलों के राज्य हैं। तमिलनाडु और उप्र पर लगभग साढ़े छह लाख करोड़, महाराष्ट्र, पं. बंगाल, राजस्थान, गुजरात और आंध्रप्रदेश पर 4 लाख करोड़ से 6 लाख करोड़ रु. तक का कर्ज चढ़ा हुआ है। इन राज्यों की हालत श्रीलंका-जैसी है। उसका कारण उनकी रेवड़ी-संस्कृति ही है। इसे लेकर जनहित याचिकाएं लगानेवाले प्रसिद्ध वकील अश्विनी उपाध्याय ने सर्वोच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटा दिए। अदालत के जजों ने चुनाव आयोग और सरकारी वकील की काफी खिंचाई कर दी। वित्त आयोग इस मामले में हस्तक्षेप करे, यह अश्विनी उपाध्याय ने कहा। चुनाव आयोग ने अपने हाथ-पांव पटक दिए। उसने अपनी असमर्थता जता दी। उसने कहा कि मुफ्त की इन रेवड़ियों का फैसला जनता ही कर सकती है। उससे पूछे कि जो जनता रेवड़ियों का मजा लेगी, वह फैसला क्या करेगी? मेरी राय में इस मामले में संसद को शीघ्र ही विस्तृत बहस करके इस मामले में कुछ पक्के मानदंड कायम कर देने चाहिए, जिनका पालन केंद्र और राज्यों की सरकारों को करना ही होगा। कुछ संकटकालीन स्थितियां जरूर अपवाद-स्वरूप रहेंगी। जैसे कोरोना-काल में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटा गया। वैसे ये रेवड़ियां जनता को दी जानेवाली शुद्ध रिश्तत के अलावा कुछ नहीं हैं।

पाठकों की बात

इंसान है ज़िदा मगर

इंसान है जिदा मगर इंसानियत है मर गयी, सांस चलती है मगर लाश अपनी ढेर रही। हम कहें गर ज़िंदा हैं हम, सबूत मांगा जायेगा, सबूतों पर कफन ओढ़ अस्तित्व नकारा जायेगा। पतंग से उड़ रहे मगर, डेर किसी के हाथ है डेर के कटते ही, तारों मे उलझ चीथड़ा बन जायेगा। हिल रहे हैं सब यहीं, उस पीले पते की तरह, डाल से गिरते ही कोट बकरी चबा कर खायेगा। – शिखा लाहीरी

हे पार्थ क्या तुम

हे पार्थ क्या तुम आए हो जगत के कल्याणार्थ? अब ईडी के हाथ में तुम्हारा पैसा होगा सोचो जेल में तुम्हारा जीवन कैसा होगा ? अब अपित्ता नहीं आएंगी टिकटटक पर तुम निकल नहीं पाओगे मॉर्निंग वॉक पर हर एक पल जी का जंजाल होगा तुम बिन सूना सूना ये बंगाल होगा।

– राजीव वर्मा

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

.खास पाती। मेरे शहर से मेरी मुलाकात



दिमाग में छाया है कि. रेलगाड़ी की सीटी भी लगता है... कारों में शंखनाद कर गई वो गंगा किनारे की महकती सुबह बंद पलकों में आज भी सिमटा आती है वो रमशान से उठता धुआं मेरे भीतर का मोह भंग कर जाता है उस शहर की ज़मीं पर पाँव भले ही ना पड़ते हैं अब पर मन की ज़मीं पर उस शहर के पाँव की छाप गुद सी गई है मोहब्बत में मुलाकात इतनी भी जरूरी नहीं होती वो शहर दिल में बसा है मेरे उस शहर जैसी बात कहों और नहीं होती।- शिल्पी अग्रवाल

दिल का अपने हाल तो पूछो

दिल का अपने हाल तो पूछो किया है कैसा कमाल तो पूछो ।। उन पर कर बैठा है भरोसा दिल जिनका कंगल तो पूछो ।। कागज की कश्ती के बल पे करें समंदर पार तो पूछो ।। आंखों में न शर्म हया अब संस्कारो की बात तो पूछो ।। लौटा खाली हाथ भिखारी उस घर की औकात तो पूछो, घर की लक्ष्मी सिसक रही है गूजल के जज्बात तो पूछो।

सफिता वर्मा ‘गजल’

सिर्फ खुद से प्यार करना

सिर्फ खुद से प्यार करना और दूसरों के लिए खुद से प्यार करना बस यही फर्क तो होता है खुद के लिए जीने और सबके लिए जीने में जन्म चाहे सौ बार हो लेकिन एक जिंदगी एक ही बार मिलती है और जब दूसरों के लिए खुद से प्यार करोगे तो दूसरों के लिए कुछ करने में खुद को कभी खोना नहीं पड़ेगा। - अनामिका चक्रवर्ती



राजीव खण्डेलवाल

बड़ा प्रश्न यह

उत्पन्न होता है की जातिगत

आरक्षण की व्यवस्था संविधान

में अस्थायी रूप से की गई है।

अर्थात गिरा उद्देश्य (समग्र

विकास व उत्थान) के लिए

आरक्षण की व्यवस्था की गई है,

उसकी पूर्ति हो जाने पर यह

व्यवस्था समाप्त हो जाएगी, ऐसा

संविधान विमर्ताओं ने आरक्षण

का प्रावधान करते समग्र सोचा

था। परन्तु वर्तमान में क्या

स्थिति हुई है, आप हम सब

जानते है। यदि आरक्षण के

बनाये रखने के समर्थन में यह

तर्क दिया जाता है कि कमजोर

वर्ग का उत्थान अभी तक नहीं

हुआ है, इसलिए “सी (आरक्षण)

खाया बाप ने सूंघो मेरा हाथ”

की तर्ज पर आरक्षण की व्यवस्था

आज भी चलते रहना चाहिए। तो

फिर आपको यह सोचना होगा

कि 75 साल के लगातार

आरक्षण के कवच व सुविधा के

बावजूद, “नाग का आंगन अभी

देवा” ही है अर्थात यदि विकास

व उत्थान अभी हुई तो इसका

मतलब साफ़ है कि शिर्फ़आरक्षण

से इन वर्गों का विकास व

उत्थान संभव नहीं हो पायेगा।

और यह नीति कहीं न कहीं

गलत या अपूर्ण है।



ललित मानिकपुरी

छत्तीसगढ़

सरकार भी जन और पशुओं के

स्वास्थ्य व पोषण के प्रति अत्यंत

सचेतनहीन है। बच्चों, बालिकाओं

और महिलाओं ने कुपोषण दूर करने

के लिए उन्हें दू डूई, गर्म पौष्टिक

भोजन प्रदाय किया जा रहा है।

पीडीएस के माध्यम से फ़ैक्टफ़िड

चावल, आदिवासी क्षेत्रों में पन्ना भी

दिया जा रहा है। गौधन व्याप

योजना के माध्यम से आधुनिक

गौधनों का निर्माण, गोबर ख़रीदी

और अब गौगुरु खरीदी के जरिए पशु

संरक्षण और संरक्षण के जो प्रयास

किए जा रहे हैं, उससे छत्तीसगढ़ में

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को

बढ़ावा मिला है, गौधनों में उत्पादित

दुग्ध को आगनबाड़ी और स्कूलों में

बच्चों को दिए जाने की नी योजना

है। यह पोषण के लिए मील का

पाथर साबित होगा। जन स्वास्थ्य

की दृष्टि से मुख्यमंत्री हट बाजार

वित्तीय योजना, मुख्यमंत्री स्व

स्वास्थ्य योजना, कई टीटी वित्तीय

योजना के माध्यम से ग्रामीण शहरी

सभी इलाकों के लोगों को अपने घरों

के पास ही स्वास्थ्य गांव व उपग्र

हित रहा है।

अभिव्यक्ति

''अनारक्षण'' में भी आरक्षण?

देश की ''विलक्षण'' राजनीति ''आरक्षण'' के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है, चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल क्यों न हो। बल्कि यह कहा जाए कि भारत का लोकतंत्र तो ''विरश्यस सर्फिक ऑफ इन्कॉम्पीटेंसी'' अर्थात वोटों की राजनीति के दुचक्र में आरक्षण से केंद्रित होकर घूमता हुआ चारों तरफ से घिरा हुआ है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यद्यपि उच्चतम न्यायालय ने अवश्य यह प्रतिबंध लगाया है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण किसी भी स्थिति में, कहीं भी नहीं होना चाहिए। बावजूद इसके “क्षते क्षारप्रक्षेपः” विभिन्न राज्य सरकारें समय-समय पर इस 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन कर आरक्षण की सीमा बढ़ाती रही हैं। और तब उच्चतम न्यायालय को उसमें हस्तक्षेप करना पड़ता है। मध्य प्रदेश में अभी 52 जिलों की 23012 ग्राम पंचायतें, 52 जिला पंचायत, 313 जनपद पंचायतें, 362754 पंच, 298 नगर परिषद 76 नगर पालिकाएं और 16 नगर निगमों के चुनाव संपन्न हुए हैं। प्रदेश में अनेक अनेक जगहों में यह देखने में आया कि अनारक्षित सामान्य वर्गों में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधियों को राजनीतिक पार्टियों ने चुनावों में उतारा है। एक अनुमान के अनुसार अधिकतर जिलों में उक्त स्थिति पायी गई है। जहां 18 नगर निगमों में लगभग 20 से 25 प्रतिशत उम्मीदवार सामान्य अनारक्षित वाडों से आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों ने चुनाव लड़े। परिणाम स्वरूप सम्पन्न हुए स्थानीय शासन के सम्पूर्ण चुनावों में कुल 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षित व्यक्ति चुनाव लड़े है। यानी “ज्यादा जोगी मठ उन्हाड़” जैसी स्थिति पैदा हो गयी है। यद्यपि यह संविधान या किसी कानून का उल्लंघन अवश्य नहीं है, परन्तु उच्चतम न्यायालय द्वारा स्थापित आरक्षण के संबंध में खोची गई लक्ष्मण रेखा की भावना का खुल्लम-खुल्ला “वैधानिक” तरीके से उल्लंघन जरूर है। निश्चित रूप से यह परिस्थिति सामान्य वर्ग के व्यक्तियों के हकों

पर कुठाराघात है। इसलिए आरक्षित वर्ग को “अपनी ही खाल में मस्त रहने का सुख” प्रदान करने वाले इस वैधानिक कवच व आवरण को हटायें जाने की महती आवश्यकता है।



अतः यह कानून बनाये जाने की तुरंत आवश्यकता है कि सामान्य वर्ग से आरक्षित वर्ग का व्यक्ति चुनाव ही नहीं लड़ सके, ऐसा प्रावधान पंचायत अधिनियम व जनप्रतिनिधित्व कानून में किये जाने की नितांत आवश्यकता है। मेरे बैतूल जिले में भी स्थानीय शासन के चुनावों में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलेंगे। यह कोई पढ़ाई की कक्षा नहीं है, जहां आरक्षित वर्ग के व्यक्ति अनारक्षित वर्ग को चुनकर अपनी योग्यता को प्रमाणित कर चयनित होता है। शायद वह ऐसा इसलिए करता है कि यह चयन उसके व्यक्तित्व के विकास को और गति व प्रभुता प्रदान करती है।

अब जनपद, जिला पंचायत, नगर पंचायत और नगरपालिका व नगर निगमों के अध्यक्षों के चुनाव संपन्न होना शेष है, जिसकी प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होने वाली है। ऐसा लगता है कि इन संस्थाओं के अध्यक्षों के चुनाव में भी “अंधे की रेवड़ी समान” कई जगह सामान्य वर्ग में भी आरक्षित वर्ग

के व्यक्तियों की उम्मीदवारों का चयन राजनीतिक दल करेंगे। मेरे जिले बैतूल में जिला पंचायत पहली बार व नगरपालिका परिषद सालो-साल बाद सामान्य वर्ग की होने के बावजूद आरक्षित वर्ग के सदस्यों को



अतः यह कानून बनाये जाने की तुरंत आवश्यकता है कि सामान्य वर्ग से आरक्षित वर्ग का व्यक्ति चुनाव ही नहीं लड़ सके, ऐसा प्रावधान पंचायत अधिनियम व जनप्रतिनिधित्व कानून में किये जाने की नितांत आवश्यकता है। मेरे बैतूल जिले में भी स्थानीय शासन के चुनावों में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलेंगे। यह कोई पढ़ाई की कक्षा नहीं है, जहां आरक्षित वर्ग के व्यक्ति अनारक्षित वर्ग को चुनकर अपनी योग्यता को प्रमाणित कर चयनित होता है। शायद वह ऐसा इसलिए करता है कि यह चयन उसके व्यक्तित्व के विकास को और गति व प्रभुता प्रदान करती है।

अध्यक्षीय उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा जोरों पर है। यही स्थिति इंदौर व अन्य कई जगहों में भी बन रही है। निश्चित रूप से यह स्थिति कहीं न कहीं सामान्य वर्ग के अधिकारों पर कुठाराघात होगी। बड़ा प्रश्न यह उत्पन्न होता है की जातिगत आरक्षण की व्यवस्था संविधान में अस्थायी रूप से की गई है। अर्थात जिस उद्देश्य (समग्र विकास व उत्थान) के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, उसकी पूर्ति हो जाने पर यह व्यवस्था समाप्त हो जाएगी, ऐसा संविधान निर्माताओं ने आरक्षण का प्रावधान करते समय सोचा था। परन्तु वर्तमान में क्या स्थिति हुई है, आप हम सब जानते हैं। यदि आरक्षण के बनाये रखने के समर्थन में यह तर्क दिया जाता है कि कमजोर वर्ग का उत्थान अभी तक नहीं हुआ है, इसलिए “घो (आरक्षण) खाया बाप ने सूंघो मेरा हाथ्य’ की तर्ज पर आरक्षण की व्यवस्था आज भी चलते रहना चाहिए। तो फिर आपको यह सोचना होगा कि 75 साल

के लगातार आरक्षण के कवच व सुविधा के बावजूद, “नाच का आंगन अभी देवा” ही है अर्थात यदि विकास व उत्थान नहीं हुआ तो इसका मतलब साफ है कि सिर्फ आरक्षण से इन वर्गों का विकास व उत्थान संभव नहीं हो पायेगा। और यह नीति कहीं न कहीं गलत या अपूर्ण है। अतः इसके विकल्प पर विचार करना होगा। अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद के राष्ट्रपति बनने के बावजूद “ऊंना कांड” से लेकर दलित उत्पीड़न की अनेक घटनाएं उनके कार्यकालों में घटी। स्वयं महामहिम की उनकी पत्नि के साथ ‘पु़री’ में पंडाओं द्वारा दुर्व्यवहार किया गया था।

दूसरी स्थिति में अर्थात् विभिन्न विकास हो जाने का दावा किये जाने की स्थिति में भी आरक्षण का उद्देश्य पूरा हो जाने से भी उसे समाप्त करना होगा। परंतु चुनावी वोट की राजनीति के चलते वर्तमान में स्थिति बद से बदतर हो रही है। आरक्षण समाप्त होने के बजाय जो शेष अनारक्षित क्षेत्र रह गया है, वहां भी आरक्षित वर्ग के व्यक्तियों को तरजीह (प्रिफरेंस) दी जा रही है, जो किसी भी रूप में उचित नहीं कही जा सकता है। सामान्य वर्ग, पिछड़े, कुचले, गरीब, अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए आरक्षण के खिलाफ नहीं है। तथापि वह जातिगत आरक्षण के बजाय आर्थिक आधार पर आरक्षण चाहता है, जिसमें आर्थिक रूप से पिछड़ा सामान्य वर्ग भी शामिल हो। सामान्य रूप से आर्थिक आधार पर आरक्षण दिये जाने से वह मात्र “ऊंट के मुंह में जिरा” समान है, जिससे सामान्य वर्ग की संतुष्टि नहीं होती है।

वस्तुतः सामान्य वर्ग अपनी आवाज को आरक्षित वर्ग के समान वोट के रूप में एक मजबूत धागे में पिरोकर एक-जाए रूप से मजबूत न कर वर्तमान राजनीति में वह एकमात्र उपेक्षित वर्ग हो गया है, और इस वर्ग की स्थिति “घो (आरक्षण) खाया बाप ने सूंघो मेरा हाथ्य’ की तर्ज पर आरक्षण की व्यवस्था आज भी चलते रहना चाहिए। तो फिर आपको यह सोचना होगा कि 75 साल

जागरूकता का प्रतीक पर्व भी है हरेली तिहार

परंपराएं यूं ही नहीं चली आती सैकड़ों सालों से, परंपराओं के साथ होता है पीढ़ियों का अनुभव, परंपराओं में छुपे होते हैं पुरखों के लोकहित के संदेश। हरेली पर्व में भी कुछ ऐसी परंपराएं हैं, जिनके मायने और नीहित संदेशों को गहराई से जाने बिना हरेली त्योहार के मूल अर्थ को जान पाना कठिन है। तो आइए हरेली की उन परंपराओं की बात करते हैं, जो लगते तो सहज हैं, किंतु असल में गहरे अर्थ समेटे हैं।

बनगोंदली और दसमूल का प्रसाद : ये ऐसा प्रसाद है जो हरेली त्योहार के दिन सुबह गांवों के गौठानों में ही मिलता है। ये प्रसाद धेनु चराने का काम करने वाले चरवाहे राउत जन ही बांटते हैं। असल में गांवों के जंगलों से चरवाहे राउतों से अधिक परिचित कौन हो सकते हैं। धेनु चराते जो जंगल की जड़ें बूटियां आसानी से ले भी आते हैं। बनगोंदली और दसमूल भी औषधीय गुणों से युक्त कंद-मूल हैं, जो छत्तीसगढ़ के जंगलों में पाए जाते हैं। स्थानीय स्तर पर रदालू कांदा, बन कांदा, दसमूर, दसमुड़ ऐसे कई अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। हरेली के पहले चरवाहे राउत जन जंगल से ये कंद-मूल खोदकर लाते हैं, मिट्टी के बर्तन में उबालते हैं और हरेली की सुबह गौधन में गांव वालों को प्रसाद के रूप में बांटते हैं। गांव के लोग बच्चे भी ये कंद-मूल रुचि से खाते हैं। माना जाता है कि औषधीय गुणों से भरे इन कंद-मूलों के सेवन से बरसाती मौसमी बीमारियों, संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से लड़ने के लिए शरीर सशक्त बनता है और बचाव कर पाता है। बरसात का मौसम जन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है, अपने आस-पास उपलब्ध प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का सेवन हम किस प्रकार अपनी सेहत की रक्षा कर सकते हैं, इसका संदेश इस परंपरा से मिलता है। पशुओं को नमक लोंदी खिलाना : बरसात का मौसम लोगों



हरी-हरी घास पशुओं को लुभाती है, लेकिन घास चरते समय मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणुओं, वायरस या बैक्टीरिया की चपेट में आ सकते हैं। पशुओं को इस समय भूजन्य रोगों का खतरा अधिक होता है। हरेली के दिन गौधन में पशुओं को खड़ा नमक और गेंहू आटे की लोंदी खिलाई जाती है। खम्हार पत्ता या अरंडी पत्ता में लपेटकर नमक और आटे की लोंदी को अलग-अलग खिलाया जाता है। नमक पाचन के लिए और गेंहू आटा की लोंई पोषण में सहायक होती है। यह पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता का प्रयास है। एक लोंई खिलाने से पशु को पोषण नहीं मिल जाता, यह संदेश है कि पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण का पूरा ख्याल रखें, कृषक पड़े तो गेंहू आटे की लोंई भी खिलाएं। पशु हमारी कृषि के प्रमुख आधार हैं और कृषि हमारे जीवन व संस्कृति का आधार है। हरेली के दिन घरों में कृषि औजारों की पूजा कर गुरहा चीला यानी गुड़ से बना चीला खाने की

परंपरा भी पोषण का ही हिस्सा है। स्वास्थ्य और सेहतमंद रहने के लिए अच्छा आहार भी आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ सरकार के प्रभावी प्रयास :

छत्तीसगढ़ सरकार भी जन और पशुओं के स्वास्थ्य व पोषण के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। बच्चों, बालिकाओं और महिलाओं में कुपोषण दूर करने के लिए उन्हें रेडी टू ईट, गर्म पौष्टिक भोजन प्रदाय किया जा रहा है। पीडीएस के माध्यम से फोर्टीफाइड चावल, आदिवासी क्षेत्रों में चना भी दिया जा रहा है। गौधन न्याय योजना के माध्यम से आधुनिक गौठानों का निर्माण, गोबर खरीदी और अब गौगुरु खरीदी के जरिए पशु संरक्षण और संवर्धन के जो प्रयास किए जा रहे हैं, उससे छत्तीसगढ़ में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिला है, गौठानों में उत्पादित दुग्ध को आगनबाड़ी और स्कूलों में बच्चों को दिए जाने की भी योजना है। यह पोषण के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

जन स्वास्थ्य की दृष्टि से मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई दीदी क्लिनिक योजना के माध्यम से ग्रामीण शहरी सभी इलाकों के लोगों को अपने घरों के पास ही स्वास्थ्य जांच व उपचार मिल रहा है। हमर लैब में तमाम प्रकार की जांच हो रही है। धनवंतरी क्लिनिक में सस्ती दर पर जेनेरिक दवाएं मिल रही हैं। इसी प्रकार पशुओं को भी रोगों से बचाने के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। हरेली त्योहार के दिन भी गौठानों में पशुओं के टीकाकरण किया जाना है। चाहे लोग हों या पशु स्वास्थ्य और पोषण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार जितना प्रभावी प्रयास कर रही है, उससे पूरे देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ को विशेष पहचान मिली है।

QUIZ TIME

- वारुमंडल में सर्वाधिक मात्रा में पाई जाने वाली अक्रिय गैस कौन-सा है?
- लोकसभा के कम-से-कम कितने सत्र बुलाए जाते है?
- कौन सा हवाई अड्डा पूरी तरह से हड़डी और सौर ऊर्जा पर चलने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा बन गया है?
- राष्ट्रीय सीमा शुल्क संग्रहालय और जीएसटी का उद्घाटन किस राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश में किया गया था?
- सितारा-ए-पाकिस्तान पुरस्कार से वेस्ट इंडीज के किस खिलाड़ी को सम्मानित किया गया?

پۇرسىتىڭىز (5) لۇقلە (۷) قۇشۇمچىلىق قىلىڭىز
پۇتلاڭا لىۋۇڭ (۶) تاللاڭا ۲۰ ۲۰ ۲۰ (7) لۇقلە (۱) -لاڭاۋىرلاڭا



आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1655- नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में विश्व का सबसे बड़ा टाउनहाल खुला। 1858- अमेरिका और जापान ने हैरिस संधि पर हस्ताक्षर किए। 1876- भारत में विज्ञान संगठन की स्थापना की गई। 1883- इटली के फासीवादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी का जन्म। 1891- प्रसिद्ध समाज सुधारक, शिक्षाशास्त्री और स्वाधीनता सेनानी ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का निधन। 1899- अमेरिका के न्यूयॉर्क में पहली मोटरसाइकिल रेस का आयोजन हुआ। 1904- प्रसिद्ध उद्योगपति जे. आर. डी. टाटा का जन्म। 1937- जापान की सेना ने चीन के पेंकिंग और टिनट्सीन पर कब्

■ न्यूज गैलरी

राजपूत क्षत्रिय चौहान समाज की हुई बैठक



मुंगेली/नवप्रदेश। राजपूत क्षत्रिय चौहान समाज द्वारा क्षत्रिय मंगल मवन लोरनी रोड बाईपास मुंगेली में बैठक रखी थी। जिसमें सर्वप्रथम भारत के अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वी राज चौहान के छाया चित्र पर पूजा आर्चना कर माल्यार्पण किया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष गणेश सिंह के नेतृत्व में जिला कार्यकारणी का गठन किया गया। मुंगेली राज में सामाजिक बंधुओं के मध्य निर्वर्णय चुनाव संपन्न कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर गोपीश सिंह एवं प्रदेश कार्यकारणी राज अय्यशों की उपस्थिति में मुंगेली राज के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष के रूप में ठाकुर परमेश्वर सिंह चौहान, विजय सिंह, उपाध्यक्ष ठाकुर राजेश सिंह, सचिव ठाकुर गोविंद सिंह एवं कोषाध्यक्ष ठाकुर रवीश सिंह को चुना गया। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सभी वन निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज हित में ईमानदारी से काम करने की बात कही गई।

अंडर 19 क्रिकेट कैंप के लिए देवकी का हुआ चयन

मुंगेली/नवप्रदेश। सनराइस क्रिकेट सोसायटी के खिलाड़ी देवकी यादव के रायपुर के टायल में अछे प्रदर्शन को देखते हुए छत्तीसगढ़ अंडर 19 क्रिकेट कैम्प के लिये चयन हुआ है। उनको कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, जिला पांचायत सीईओ, संयुक्त कलेक्टर, कर्नल के द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी सनराइस क्रिकेट सोसायटी के संचालक व कोच जलेश यादव ने दी।

कस्तूरबा कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल कमेटी की हुई बैठक

मुंगेली/नवप्रदेश। कस्तूरबा महिला कल्याण आश्रम की ओर से संचालित कस्तूरबा कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल कमेटी की बैठक कल्याण आश्रम के अध्यक्ष अनिल सोनी की अध्यक्षता में हुई। इसमें गीता राय की स्मृति स्मरण सेवा और दानशीलता अक्षुण्य बनाए रखने के लिए गीता राय मार्ग नामकरण करने की मांग अध्यक्ष हेमेट गोस्वामी नगर पालिका परिषद से की। गीता राय ने कस्तूरबा कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल वर्ष 1991 से स्थापित और संचालित है। गीता राय के निधन वर्ष 2015 के बाद शाला संचालन कार्य कस्तूरबा महिला कल्याण आश्रम की ओर से किया जा रहा है। बैठक में सचिव दीनानाथ केशरवानी, कोषाध्यक्ष डीके सोलंकी, रविंद्र पुराणिक, संरक्षक डॉ. प्रेमकुमार वर्मा, जेठमल कोटड़िया, पीएस ठाकुर, विजय शर्मा, दिलीप आदि उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने केंद्रीय गृह मंत्री का फूँका पुतला

मुंगेली/नवप्रदेश। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। केन्द्र सरकार के द्वारा निरंतर महंगाई में वृद्धि की जा रही है। जिसके खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान लगातार 3 दिनों से राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन व प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय का गिरफ्तारी किया जा रहा है। जिसके खिलाफआज एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मितेश चंद्राकर के नेतृत्व में एक कार्यकर्ताओं के उपस्थिति में गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया।

हरेली पर गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



मुंगेली/नवप्रदेश। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लौदा ने हरेली तैयार का आयोजन किया गया लिए लिए छत्तीसगढ़ शासन की मंशा अनुरूप बच्चों में छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं त्यौहार से परिचित हो सके इसलिए यह आयोजन किया गया। सरपंच एवं उपस्थित अतिथि के द्वारा गेड़ी पूजन किया गया। इसके पश्चात स्कूली बच्चों के द्वारा गेड़ी दौड़ एवं गौश चला कर इस आयोजन में भाग लिया। इसके बाद स्कूली छात्राओं ने छत्तीसगढ़ से लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अंत में गंधपथ अतिथियों के हाथों स्कूली बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर सरपंच सरिता साहू, एसएमसी के अध्यक्ष मंतराम पटेल, उपाध्यक्ष नेतराम साहू, संतोष साहू आदि उपस्थित रहे स,कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक काजल नायक ने किया।

वर्षा ने बढ़ाई आंखों से जुड़ी समस्या, अस्पतालों में 25 प्रतिशत बढ़े मरीज

बिलासपुर/नवप्रदेश। लगातार हो रही वर्षा से आंखों में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। शहर के सरकारी व गैर सरकारी अस्पतालों के नेत्र ओपीडी में इस तरह की समस्या लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या 25 प्रतिशत तक बढ़ गई है। मरीज आंखों में जलन, खुजली, लालिमा खनने, आंसू आने और आंखों में दर्द की शिकायत कर रहे हैं। अधिकांश मरीज सामान्य इलाज से चार से छह दिन में ठीक हो जा रहे हैं।



दूषित पानी से हो रहा संक्रमण

डाक्टरों के अनुसार मुंह और आंख धोने वाले पानी में जरा भी गंदगी होने पर इंफेक्शन हो सकता है। लोग के दिनों में ना सिर्फ घर के बाहर लीप गंदे पानी के संपर्क में आते हैं, बल्कि घरों में सप्लाई होने वाले पानी भी कई बार दूषित होता है। भूजल भी साफ नहीं रह गया है। इसके कारण आंखों में संक्रमण हो जाता है।

सिम्स में 100 से 150 मरीज पहुंचे रहे

मई-जून में आंखों से जुड़ी

इन बातों का रखें ध्यान

- दो पहिया वाहन चालक चश्मे का उपयोग करें।
- हथों को साफकर रहे और बार-बार आंखों को न छुएं।
- आंखों को ठंडे पानी से धोते रहें।
- आंख लाल होने, पानी आने या चुगन महसूस होने पर डाक्टर से परामर्श लें।
- धूल और गीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बर्ने।

समस्या लेकर जिला अस्पताल में 15 से 20 मरीज पहुंच रहे थे। अब यह संख्या 30 से 40 के बीच पहुंच गई है। इसमें आंखों की सभी तरह की समस्या वाले मरीज शामिल हैं। सिम्स में भी रोज नेत्र ओपीडी में 100 से 150 मरीज पहुंच रहे हैं। पहले यह आंखड़ा 50 से 70 के बीच था। इसमें आंखों का लाल होना, खुजली, जलन, चुगन जैसी समस्या वाले मरीज अधिक हैं।

प्रतिबंध के बावजूद बिलासपुर रेलवे में हो रहा प्लास्टिक का उपयोग

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लग गया है। एक जुलाई से इसका सख्ती से पालन भी किया जा रहा है। पर ट्रेनो की पेंट्रीकार और कुछ स्टालों में बैन के बाद भी प्लास्टिक का खुले आम उपयोग किया जा रहा है। इससे न् केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि ट्रेनो में गंदगी भी फैल रही है। बिलासपुर क्या किसी भी स्टेशन के। तेन की पेंट्रीकार की जांच नहीं होती।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगाया गया प्रतिबंध एक जुलाई से लागू हो गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन, वितरण, भंडारण या बिक्री करने वाली इकाइयों को भी बंद कराया जा रहा है। प्रतिबंध में ईयरबड्स,



आए दिन बंद रहती है मशीन

रेलवे स्टेशन बिकल वाला रेलनीर की खाली बेतल को नष्ट करने के लिए एक नही बल्कि तीन बाटल फ़रश मशीन लगाई गई है। बैल इसी में डालने का नियम है। इसके लिए जगह-जगह सुचना बोर्ड में लगाया गया है। यात्री इसका उपयोग में करना कहते है पर मशीन आए दिन बंद रहती जा। इस वजह से प्लास्टिक की बाटलो का नष्टीकरण नहीं हो पाता।

सैनिक और शहीदों के सम्मान में सुंदर कांट का पाठ

बिलासपुर/नवप्रदेश। बच्चों का हाथ धर्म के साथ अभियान के अंतर्गत हनुमान चालीसा पाठ एवं बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सभी सैनिकों के सम्मान और जो वीरगति को प्राप्त हुए,सैनिकों के लिए सुंदरकांड का पाठ रेलवे के डीआरएम ऑफिस,बिलासपुर के बगल वाले हनुमान मंदिर में किया गया। जिसमें रेलवे कर्मचारी, शहर के गणमान्य नागरिक और कुछ बच्चे भी शामिल हुए। बच्चों का हाथ धर्म के साथ अभियान धीरे धीरे गति पकड़ता हुआ,छत्तीसगढ़ से प्रारंभ होकर ,दिल्ली ,मध्य प्रदेश,राजस्थान, महाराष्ट्र व गुजरात प्रदेश तक पहुंच चुका है। सभी ने इस अभियान की खुले मन से तारीफ की है। अब हर मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ और वेद मंत्रों का पाठ करने हेतु बड़े व बुजुर्ग बच्चों को अपने साथ मंदिर लाने लगे हैं। इस अवसर पर डॉ मनीष राय, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री ,दुर्घटनामुक्त भारत एवं माधव नेत्रालय, नागपुर ने आशा व्यक्त की है। जिस प्रकार भारत की जनता अपने हिंदुत्व धर्म के प्रति जागरूक हो रही है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह जो बच्चे मंदिर आकर ,वेद मंत्र और हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। निश्चित ही भविष्य में अपने धर्म व



देश के प्रति समर्पित भाव से कार्य करेंगे, और कोई भी किसी भी प्रकार का आतंकवाद व कट्टरपंथी हमारे देश व धर्म के खिलाफ आवाज नहीं उठा पाएंगे।देश के सभी नागरिक महिला,पुरुष, युवा व बच्चे दिन में एक बार हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करें। यहां देवी देवताओं के साथ धार्मिक आयोजनों को भी भव्य रूप से किया जाता है। शहर के आयोजनों को देखने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की

संख्या में श्रद्धालू दर्शन करने पहुंचते हैं। गणेश चतुर्थी हो या नवरात्री में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है।

हनुमान चालीसा पाठ अभियान से लोगों को आस्था से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। सैल्यूट तिरंगा संगठन छत्तीसगढ़ द्वारा शहर के अलग-अलग संगठनों के पास जाकर पाठ किया है। इस मौके पर सभी ने हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते हुए हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया है।

कांग्रेस संगठन चुनाव को लेकर बिलासपुर में शुरु हुआ रायशुमारी का दौर



बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिले में संगठन चुनाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। जिला व ब्लाक निर्वाचन अधिकारियों ने बैठकें शुरू कर दी है। इसमें पदाधिकारियों के अलावा दिगज कांग्रेसी नेताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। एक-एक की बात सुनी जा रही है। खास बात ये कि उनको बोलने का पूरा मौका दिया जा रहा है। उनके द्वारा दिए जा रहे सुझाव को निर्वाचन अधिकारी नोट भी कर रहे हैं। पूरी मशकत इस बात को लेकर है कि संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर आपसी समझबुझ और सामंजस्य के आधार पर मनोनयन की प्रक्रिया पूरी की जा सके। चुनाव की स्थिति को टालने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

संगठन चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों की कोशिश है कि संगठन के महत्वपूर्ण पदों के लिए कार्यकर्ताओं की तरफ से जोरशोर से दावेदारी तो आए पर बात चुनाव तक ना पहुंचे। दावेदारी के बीच कार्यकर्ताओं से

उनका विजन भी पूछा जा रहा है। निर्वाचन अधिकारी सवाल कर रहे हैं कि आने वाले वर्ष में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल गई तो उनका अपना विजन क्या होगा।

संगठन के पदाधिकारियों के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य कैसे बनाएंगे और अपने विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए उनकी अपनी क्या कार्ययोजना है जिसे आगे लेकर वे चलेगे और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन हो सकेगा। दावेदारों के बीच कुछ इस तरह के अहम सवाल के बीच निर्वाचन अधिकारी उनका अपना विजन पूछ रहे हैं और जिम्मेदारी मिलने की स्थिति में उनकी अपनी क्या कार्ययोजना होगी। एक दिगज पदाधिकारी की मानें तो इसके पीछे दावेदारों को आत्म अवलोकन के लिए विवश करना और अच्छे दावेदार सामने आने की स्थिति में उनके द्वारा स्वीकृति प्रदान करना माना जा रहा है।

गुरुवार को ब्लाक कांग्रेस

एनटीपीसी सीपत में उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देश में विद्युत क्षेत्र में हुई उपलब्धियों को साझा करने के लिये शउज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य /2047 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 25 से 30 जुलाई तक पूरे भारत वर्ष में मनाया जा रहा है।

इसी कड़ी में उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन बिलासपुर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड एवं एनटीपीसी सीपत द्वारा चाणक्य सभागार एनटीपीसी सीपत में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक मस्तूरी, डा. कृष्णमूर्ति बांधी, विधानसभा क्षेत्र मस्तूरी, घनश्याम प्रजापति, मुख्य महाप्रबंधक, सीपत, श्री आर ए कुरुवंशी, अपर कलेक्टर बिलासपुर, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा दीप

प्रज्वलन कर किया गया।

जिला नोडल अधिकारी विवेक चन्द्र, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एनटीपीसी सीपत द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान जन समूह विद्युत ऊर्जा के क्षेत्र में चलायी रही विभिन्न योजनाओं से अवगत हुए।

श्री घनश्याम प्रजापति, मुख्य महाप्रबंधक सीपत ने अपने संबोधन में देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में एनटीपीसी की अहम भूमिका के बारे में जानकारी दी तथा वर्ष 2047 तक भारत को ऊर्जा स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बारे में जानकारी दी। उन्होने सभी को हरेली उत्सव की हार्दिक बधाइयाँ दी।

इस अवसर पर तैयार की गई लघु फिल्मों एवं विडियो प्रसारण के माध्यम से पिछले 8 वर्षों में बिजली के क्षेत्र में देश एवं प्रदेश के बहुत सी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को सबके समक्ष साझा किया गया। फिल्म के माध्यम से भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन वितरण के साथ सौभाग्य योजना,



सहज बिजली हर घर योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, वन नेशन वन ग्रिड की सफलता की कहानी को प्रस्तुत किया गया।

आयोजन में ऊर्जा विभाग से संबंधित विभिन्न विषय जैसे ऊर्जा संरक्षण, विद्युतीकरण से मानव जीवन में परिवर्तन आदि पर नुकड़ नाटक एवं ऊर्जा संरक्षण जागरूकता संबंधी शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सभी ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर लाभान्वित विद्युत हितग्राहियों द्वारा विगत 8 वर्षों में हुये विद्युत क्षेत्र में हुये विकास से संबंधित विषयों पर अपना अनुभव साझा किया गया।

अपर कलेक्टर बिलासपुर ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये जिले में ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड एवं एनटीपीसी सीपत के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया साथ ही केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न

योजनाओं कि सराहना की। मुख्य अतिथि श्री बांधी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्युत क्षेत्र देश के विकास की धुरी है और आज देश प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के सपने को साकार करने में पूरी तरह से कार्यरत है। देश के हर गाँव और हर घर को बिजली से जोड़ा गया है। आज केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार आपस में सहयोग के साथ काम करते हुए लोगों को एक ऐसी विद्युत व्यवस्था देने हेतु कृत संकल्पित है जिसमें सभी को बिजली हर समय उचित दर पर उपलब्ध हो और ज्यादा से ज्यादा बिजली गैर परंपरिक स्रोतों पर आधारित हो जिससे हम पर्यावरण की रक्षा करते हुए देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

कार्यक्रम के अंत में श्री अमर चौधरी, अधीक्षण अभियंता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में छत्तीसगढ़ प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, आभार व्यक्त किया साथ ही केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न

औजारों की किसानों ने की पूजा : लोक पर्व सावन मास की पहली

हरेली त्यौहार को ग्रामीण क्षेत्रों में सुघीघट, देवगांव, सुरदा, रंगवाकापा, देवरी, जमकोट, दामापुर, बैसवाकापा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। किसान अपने औजारों को हल, टटिया, हसिया, कुदाल अन्य समानों को धोकर एवं चावल की आटा की चूला बनाकर भेंट कर पूजा की जाती है। इस त्यौहार में बच्चे बूढ़े लोग शर्तें जैसे माधिस की तिथि नाथिलय फेंक लगाकर हल-जीत का खेल खेला गया। इस त्यौहार में छोटे-छोटे बच्चों ने गेड़ी बनाकर खुशी मना रहे है।



किसान सुबह से ही हल, फवड़ा रापा, धूमधाम से मनाया गया। पर्यावरण को समर्पित यह त्यौहार छत्तीसगढ़ के लोगों का प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण दर्शाता है। कृषक इस दिन खेतों में काम आने वाले परंपरागत व आधुनिक औजारो की विधिवत पूजा अर्चना चोले का भोग लगाया गया। वही यादवों के द्वारा घर एवं दुकानों में नीम की टहनी की पत्तियां और लोहार कील लगाने से घर में रहने वाले लोगों की नकारात्मक शक्तियां से रक्षा होती है। उन्हें अपनी क्षमता अनुसार अन्न व धन्न दान किया जाता है।

परंपरा अब समय के साथ-साथ लुप्त होते जा रहा है। गेड़ी भी अब लुप्त होने के कमार पर है भावी पीढ़ी को इसके संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी होगी। हरेली अमावस्या के दिन शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह पर नाथिलय फेंकने एवं खाद्य वस्तु दिया गया। यह कार्य गौठान में किया गया। खेतों में भी चूला का भोग लगाया गया। पर्व का मुख्य आकर्षण गेड़ी होती है जो हर वर्ग उम्र के लोगों को लुभाती है। आज कुछ ग्रामीण क्षेत्रो में गेड़ी चढ़ने का पुरानी परंपरा देखने को मिली। छत्तीसगढ़ की बहुत सी पुरानी

जिले में अफसरशाही हावी, जनप्रतिनिधियों का हो रहा अपमान

2 हरेली तिहार में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नहीं मिला आमंत्रण

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में हरियाली व प्रकृति के प्रति प्रेम और सम्पर्ण व किसानों का त्यौहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला- संस्कृति परंपराओं का पर्व हरेली तिहार हर्षोल्लस से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर एक ओर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश की महिलाओं को उनके सवैधानिक अधिकार व कानून की जानकारी देने व उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने व जागरूक करने के उद्देश्य से महतारी न्याय रथ का शुभारंभ कर रहे हैं। वहीं कोरिया जिले में हावी अफ सरशाही के चलते हरेली जैसे त्यौहार पर महिला जनप्रतिनिधि अपमान व उपेक्षा



का चूट पीने को मजबूर हैं। हम बात कर रहे हैं जनपद पंचायत बैकुंठपुर की जहां हरेली तिहार के अवसर पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें जनपद सीईओ की हठधर्मिता व मनमानी के कारण

ये निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपमान

पूर्व जिप सदस्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने जनपद पंचायत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं करने को आपत्तिजनक बताया है। उन्होंने कस कि जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा किसी भी हाल में सही नहीं है। अधिकारियों को यह समझना होगा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता से चुनकर आते हैं। लोकतंत्र में उनकी उपेक्षा को किसी भी सूत्र में जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इससे पहले भी बैकुंठपुर जनपद पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि बैकुंठपुर के जनपद सीईओ की शिकायत जिला प्रशासन से कर चुके हैं। सरपंचों की उपेक्षा, बुरा बर्ताव करने व उचित सम्मान नहीं देने की शिकायत कई बार आयी है। जिला प्रशासन ऐसे प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही करे अन्यथा हम जनप्रतिनिधियों के सम्मान में बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

भी अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। जनपद उपाध्यक्ष भी आशा साहू महिला हैं। कई बार विरोध जताने के बावजूद जनपद सीईओ की तानाशाही चरम पर है। जिसको लेकर जनपद के जनप्रतिनिधियों में खासा रोष व्याप्त है। इस मामले को लेकर

भाजपा नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र तिवारी ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि हरेली कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं करना आपत्तिजनक है। इस घटना से जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है।



उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आज कानून की व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है। हर तरफ अराजकता का माहौल है। आज जनता का तो घर से निकलना ही मुश्किल हो गया है। ईडी की पूछताछ के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा की आखिर पूछताछ से काग्रेस डर क्यों रही है। अगर उनकी संलिप्तता नहीं है तो सब साफ हो जायेगा। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन पर किये गये सवाल पर जवाब देते हुए कहा की आज पूरे प्रदेश में अवैध रेत का उत्खनन जोरो पर है। यहां की रेत उत्तरप्रदेश

भेजी जा रही है। स्थानीय प्रशासन का इस पर कोई रोक नहीं है यही कारण है की रेत माफियाओं के हौसले बुलंद है। आजपा के ड्रीम प्रोजेक्ट ट्रांसपोर्ट नगर और गोकुल नगर के संबंध में उन्होंने कहा की अगर भाजपा सत्ता में होती तो अब तक ये सभी अस्तित्व में आ जाते लेकिन काग्रेस की सरकार इस ओर ध्यान ही नहीं दे रही है। अगर 2023 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनती है तो सबसे पहले इस कार्य को ही पूरा किया जायेगा।

न्यूज गैलरी

शहीदों की स्मृति में किया गया वृक्षारोपण उत्सव पोदला उरास्कना का हुआ शुभारंभ

बीजापुर/नवप्रदेश। हरेली तिहार के अवसर पर जिले में वृक्षारोपण उत्सव 'पोदला उस्कना' कार्यक्रम के तहत जिला मुख्यालय नया



पुलिस लाईन बीजापुर में फलदार एवं छायादार पौधों को रोपण किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय परम्परा को ध्यान में रखते हुये ग्रामीणों के खेतीहर औजार- हल, फावड़ा, गैती का पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना किया गया। स्थानीय स्तर पर इस त्यौहार के दिन ग्रामीण बच्चे एवं युवा गेड़ी में चढ़कर नृत्य करने की परम्परा है। पूजा अर्चना उपरान्त लाईन परिसर में पोदला उस्कना के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बेनहुर रावतिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक, आजनेय वाण्यय, उप पुलिस अधीक्षक आशीष कुंजाम, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, तुलसी राम लोकाय, उप पुलिस अधीक्षक आप्स, सुदीप सरकार, उप पुलिस अधीक्षक नेहा पवार, रक्षित निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस स्टैंड के पास धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स का हुआ शुभारंभ



किरन्दुल/नवप्रदेश। किरन्दुल बस स्टैंड के पास श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स का बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष मृणाल राय ने उद्घाटन किया। श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स से उपभोक्ताओं को सस्ते दर पर दवाइयां उपलब्ध होगी।उपभोक्ताओं को दवाइयों की एमआरपी पर न्यूनतम 50.09 प्रतिशत और अधिकतम 71 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। योजना के तहत 169 शहरों में 190 मेडिकल स्टोर्स प्रारंभ करने की योजना है। उद्घाटन के दौरान नया उपाध्यक्ष बालसिंह कश्यप, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एके सिंह, महामंत्री तपन दास, पाण्ड राजेन्द्र मृणाल राय एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बुजुर्ग महिला को प्रवीण गौर और रोहन ने किया रक्तदान



कांकेर/नवप्रदेश। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की पहल पर 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला सुशीला महापात्र जोकि कमजोरी, बीपी, अर्थराइटिस से पीड़ित है को 2 यूनिट रक्त की आवश्यकता रही। रेडक्रास की पहल पर प्रवीण गौर निवासी उेलकाबोड एवं रोहन मंडवी निवासी विश्रामपुरी ने रक्तदान देकर जीवनदान दिया। प्रवीण गौर का यह 15वां तथा रोहन मंडवी का प्रथम रक्तदान रहा। प्रथम बार रक्तदान कर रहे रोहन मंडवी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि रक्तदान करते हुए मुझे बहुत खुशी एवं गर्व महसूस हो रहा है। प्रवीण गौर ने लोगों को रक्तदान के लिए आगे आने की बात कही। रेडक्रास सोसायटी ने पुनोत कार्य की बधाई दी।

यातायात नियमों का उल्लंघन 30 वाहनों का कटा चालान

कांकेर/नवप्रदेश। शहर सहित ग्रामीण इलाकों में यातायात की विस्तृत जानकारी और चालानी कार्यवाही को बार बार समझाइश के बावजूद यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 30 मोटर साइकिल पर चालानी कार्यवाही की गई। यातायात कांकेर के द्वारा पंडरीपानी नरहरपुर रोड के पास कार एवं मोटर साइकिल चालकों के विरुद्ध यातायात नियमों का उल्लंघन करने पाए जाने पर चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर मोटर व्हीकल एक्ट के अलग-अलग धाराओं में कुल 30 प्रकरण की कार्यवाही कर 9 हजार 8 सौ रुपए समन शुल्क वसूल किया गया। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों का पालन करने हेतु लोगों को लगातार समझाइश दी जा रही है।

28 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगा पोदला उरस्कना महोत्सव

कांकेर/नवप्रदेश। सुन्दरराज पी पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर के निर्देशानुसार स्वच्छ एवं सौंदर्य का वातावरण निर्मित करने वृक्षारोपण त्यौहार पोदला उरस्कना-2022, 28 जुलाई से 09 अगस्त तक आयोजित किये जाने वाले वृक्षारोपण त्यौहार के अंतर्गत 28 जुलाई को जिला कांकेर में वृक्षारोपण त्यौहार पोदला उरस्कना 2022 का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण त्यौहार के अवसर पर कांकेर के मातु एवं शिशु रोग विभाग शासकीय जिला चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर परिसर क्षेत्र में शिशुपाल शोरी विधायक विधानसभा क्षेत्र कांकेर



संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन बालाजी राव पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रज योगेश पारिक जिला एवं सत्र न्यायाधीश कांकेर डॉ0 प्रियंका शुक्ला कलेक्टर कांकेर शलभ कुमार सिन्हा पुलिस अधीक्षक कांकेर आलोक बाजपेयी वन मण्डल अधिकारी कांकेर श्रीमति सरोज



जितेन्द्र ठाकुर नगरपालिका अध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ल जिला पंचायत उपाध्यक्ष कांकर द्वारा फल छायादार पौधों का वृक्षारोपण कर स्वच्छ एवं सौंदर्य का वातावरण बनाने के साथ-साथ प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देकर वृक्षारोपण उत्सव -पोदला उरस्कना - 2022- मनाया गया। इस अवसर पर जी.

एन. बघेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश ठाकुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ अनुराग झा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कांकेर अविनाश ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी/नक्सल ऑफ्स डॉ. मैक्लेन्द्र प्रताप सिंह उप पुलिस अधीक्षक बस्तर फ़स्टर्ड डा.चित्रा

लगभग सौ वर्षों बाद पुनः दो भागों में विभाजित हुआ कोरिया



मनेन्द्रगढ़/नवप्रदेश। कोरिया रियासत में 1600 ई. तक बालन्दे का शासन था। 1750 के मैनुपुरी के चौहान वंश के दलथम्बन शाही व धारामल शाही कोरिया पहुंचे। कोरिया में गोडो के बाद चौहान वंश का राज्य हुआ। कुछ समय उपरांत ईस्ट इंडिया कम्पनी के हाथो नगरपुर के मेंडेजी भोसले के परास्त हो जाने के बाद सभंभवतः छत्तीसगढ़ के राज्य ईस्ट इंडिया कंम्पनी के अधीन आ गये। इसी के साथ 1818 में कोरिया रियासत भी आ गया। 24 दिसम्बर 1819 में राजा गरीब सिंह के स्वीकृत करारनामा के अनुसार कोरिया राज्य 400 रुपये वार्षिक अंग्रेजो को देगा तथा चांगमखार कोरिया की सांमती अधीनता होने

कर्मचारियों ने महंगाई व गृह भाड़ा भत्ता के लिए की पूजा-अर्चना

रामानुजगंज/नवप्रदेश। शालेय शिथक रंध के अध्यक्ष प्रदीप चौबे एवं छत्तीसगढ़ टीपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बिशाल दत्त चौबे के नेतृत्व में बाबा बसराज कुंवर में बैगा के द्वारा शासन से अविलंब डीए एवं गृह भाड़ा भत्ता प्रदान करने हेतु विशेष पूजा अर्चना किया गया। बैगा के द्वारा कर्मचारियों को महंगाई के कारण हो रही तकलीफको देखते हुए शासन को निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करने का बाबा बसराजकुंवर के पास अर्जी लगाई गई। आज बाबा के धाम में अर्जी लगाने वालों में राजेश्वर कुशवाहा, रूप कुमार सिंह, रामाधारा सिंह, आशीष गुप्ता, रमन गुप्ता, प्रमेश ठाकुर, नंदलाल प्रजापति, तारक बखड, जय सिंह, आनंद गुप्ता आदि उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया नगरों व गांवों में हरेली तिहार



सुकमा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का प्रथम तिहार हरेली गुरुवार को गांव से लेकर शहर तक धूमधाम से मनाया गया। सुकमा नगर पालिका में यह परंपरागत पर्व नगरपालिका के गोठन में मनाया गया तथा हर गांव में इस तिहार की धूम रही। नगर पालिका अध्यक्ष जगन्नाथ राजू साहू गेड़ी चढ़कर नगरवासियों एवं देशवासियों को हरेली त्यौहार की बधाई दी। पालिका के गोठान में कृषि

है, किसानों का कर्जा माफ किया एवं अन्य बहुत सी योजना संचालित है जिससे छत्तीसगढ़ के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है।पालिकाध्यक्ष राजू साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और छत्तीसगढ़ की पहचान है हरेली पर्व। यह प्रदेश का लोकप्रिय त्यौहार है। इस दिन पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में अनेक विभिन्ना एवं अनेक कार्यक्रम भी देखने को मिलते हैं। हरेली तिहार (त्यौहार) छत्तीसगढ़ की संस्कृति,कृषि परंपरा व आस्था से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर स्थानीय स्तर पर फुगड़ी, महिला कुर्सी दौड़, महिला नारियल कूर्स, पुरुष नारियल फेंक प्रतियोगिता आयोजित किया और लोगों को अपनी परंपरा और संस्कृति से जोड़ने और सहजने का काम किया।

छत्तीसगढ़ में है अराजकता का माहौल : अग्रवाल

मनेंद्रगढ़/नवप्रदेश। पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री अमर अग्रवाल बुधवार को मनेंद्रगढ़ के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। पूर्व मंत्री अग्रवाल एक शोक कार्यक्रम में मनेंद्रगढ़ पहुंचे जहां उन्होंने सबसे पहले शोक संतस परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद उन्होंने होटल हसंदेव इन में पार्टी के कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात कर क्षेत्र का हालचाल जाना। उन्होंने सभी से एकजुट होकर संगठन के प्रति कार्य करने और आगामी चुनाव के मद्देनजर आपसी सामंजस्य बनाकर चुनाव में भाजपा की जीत का परचम लहराने को कहा। शाम 5 बजे से अमर अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से भी मुलाकात की और उनके सवालों का जवाब दिया।

पुलिस अनुविभाग/थाना / चौकी क्षेत्र धीरेन्द्र पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पखांजूर खोमन सिन्हा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतगढ़ अमरनाथ सिदार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अंतगढ़ प्रशांत सिंह पैकार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस भानुप्रतापुर रवि कुजूर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पखांजूर, पुलिस थाना/चौकी प्रभारीगण एवं पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र के महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण स्कूली बच्चों सहित गणमान्य नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छ एवं सौंदर्य का वातावरण निर्मित करने हेतु थाना चौकी स्कूल अस्पताल परिसर क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया गया।

वर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर, क्षेत्र के महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधि अधिकारीगण सम्मानीय पत्रकारगण गणमान्य नागरिक स्कूली बच्चों एवं पुलिस के अधिकारी / कर्मचारिगण द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण त्यौहार पोदला उरस्कना-2022 के अवसर पर जिले के

आज शिवमहापुराण कथा रुद्राक्ष महोत्सव में शिव-पार्वती विवाह महोत्सव

2 भोलेनाथ व माता पार्वती की निकाली जाएगी भव्य झांकी



कांकेर/नवप्रदेश। न्यू कंसुनिटी हॉल कांकेर में विगत दिनों से चल रही शिवमहापुराण कथा रुद्राक्ष महोत्सव में कथा वाचक पंडित तिवारी के द्वारा रसमय करुणामय कथा का वाचन किया जा रहा है। शिवमहापुराण कथा सुनने पहुंच रहे है। शिवमहापुराण कथा रुद्राक्ष महोत्सव में 29 जुलाई शुक्रवार को विवाह महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। आज शिवमहापुराण कथा रुद्राक्ष महोत्सव में भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। माता पार्वती और भगवान भोले नाथ की भव्य महोत्सव विवाह की तैयारी शुरू हो चुकी है। विवाह महोत्सव शिव महापुराण कथा के साथ मनाया जायेगा। भोले नाथ और पार्वती माता की आकर्षक झांकी संवोध सजाई जायेगी। तत्पश्चात भगवान भोले बाबा का बारात

निकाला जायेगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुगण से अपील कर कहा है कि अधिक से अधिक लोग भगवान भोले नाथ और पार्वती विवाह महोत्सव में सम्मिलित होकर बराती और धराती बनकर धार्मिक आयोजन के साथी बनें। आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया जाएगा। 30 जुलाई को भगवान शिव के द्वारा त्रिपुरासुर वध, जालंधर वध, शंखचुण नया वध, बाणासुर पर कृपा की कथा सुनाई जाएगी। 31 जुलाई को भगवान शिव के अवतारों की कथा, द्वादश ज्योतिर्लिंग के बारे में बताया जाएगा।अतिम दिन 1 अगस्त को रुद्राक्षिषेक, शिव सहस्त्रनाम बेलपत्र वर्षा हवन, रुद्राक्ष वितरण कपिला तर्पण, पूर्णाहूति के साथ आयोजन का समापन होगा।

पल्ली-बारसूर मार्ग हुआ बहाल

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। नक्सलियों ने पल्ली-बारसूर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा सिद्धार्थ तिवारी, सीआरपीएफ कमांडेंट 195 विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मार्ग को बहाल कराया। वहीं मौके पर माओवादियों द्वारा बैनर पोस्टर लगाए गए थे जिसे जिला पुलिस बल एवं सीआरपीएफ की टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हटाया।

प्रथम पेज का शेष
सभी पात्र विद्यार्थियों को छत्रवृत्ति
काउंसलिंग से प्रवेश दिया जाना है।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षण-सत्र 2022-23 की छत्रवृत्ति के भुगतान के लिए निर्धारित शैक्षणिक केलेंडर के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन की प्रार्थमिकता है कि विद्यार्थियों को पूरी तरह सहयोग किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि छत्रवृत्ति की दरों का शुक्रियुक्तकरण किया जाये। छात्रों की बायोमेट्रिक उपस्थिति के लिए भी आवश्यक तैयारी करें। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021-22 से जनजातीय कार्य विभाग के समान ही अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सभी आवादन, उनकी स्वीकृति तथा भुगतान की प्रक्रिया स्क्वैड पोर्टल से की जा रही है। छत्रवृत्ति केवल पाठ्यक्रम अवधि तक के लिए ही मान्य होगी।
संसद के बाहर बवाल...
खटास देखने को मिल रही है। बता दें कि स्मृति इरानी इस मुद्दे पर संसद में भी आक्रामक थीं। उन्होंने

कहा था कि सोनिया गांधी की अनुमति से ही अधीर रंजन चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, इसलिए खुद सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने इस मामले पर कहा, "हमारे कुछ लोकसभा सांसदों को खतरा महसूस हुआ जब सोनिया गांधी हमारी वरिष्ठ नेता रमा देवी के पास यह जानने के लिए आईं कि क्या हो रहा था। इस दौरान हमारा एक सदस्य वहां पहुंचा और सोनिया गांधी ने कहा 'मुझसे बात मत करो।' वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, "आज लोकसभा में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने अनर्थादित और अपमानजनक व्यवहार किया। लेकिन क्या स्पीकर इसकी निंदा करेंगे? क्या नियम सिर्फ विपक्ष के लिए होते हैं?"

तीखा हमला करते हुए उसे महिला विरोधी तथा आदिवासी विरोधी बताया और कहा कि कांग्रेस को एक गरीब आदिवासी महिला का राष्ट्रपति पद तक का सफर रास नहीं आ रहा है, इसलिए उसके नेता नवनिर्भर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के खिलाफ ऐनक बयान कर रहे हैं। उन्होंने श्रीमती गांधी को भी निशाना बनाया था। इस दौरान श्रीमती गांधी भी सदन में मौजूद थीं।

